बर्षः- 05
अंकः- 338
मुरादाबाद
(Friday)
03 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पश्चिम एशिया संकटः पीएम मोदी ने की CCS की अहम बैठक, जरूरी चीजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के लिए पीएम आवास पर सीसीएस की बैठक हुई। इस बैठक में कैबिनेट के मंत्रियों का एक समूह भी मौजूद है। जानकारी के मुताबिक, इस बैठक में राजनाथ सिंह, अमित शाह, एस जयशंकर और निर्मला सीतारमण समेत कई मंत्री मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 7 लोक कल्याण मार्ग पर कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की एक विशेष बैठक की, जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच विभिन्न मंत्रालयों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई और आगे

की रणनीति पर चर्चा हुई। यह इस मुद्दे पर दूसरी विशेष बैठक थी। पीएम मोदी ने बैठक में जरूरी चीजों की कीमतों को स्थिर रखने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की और जमाखोरी तथा कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।मंत्रालयों को दिए अहम निर्देश-प्रधानमंत्री ने आम लोगों की जरूरतों की उपलब्धता की समीक्षा की और कहा कि इस वैश्विक संकट का असर नागरिकों पर न पड़े, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों तक सही जानकारी पहुंचे, ताकि अफवाहों को रोका जा सके। अंत में, प्रधानमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे इस स्थिति से प्रभावित लोगों और क्षेत्रों की समस्याओं को कम करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएं।कैबिनेट सचिव ने बताया कि पेट्रोलियम उत्पादों, खासकर एलपीजी और एलएनजी की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

एलपीजी और एलएनजी अब अलग-अलग देशों से मंगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी के दाम अभी स्थिर हैं और कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए नियमित कार्रवाई की जा रही है। पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। गर्मियों में बिजली की कमी न हो, इसके लिए गैस आधारित बिजली संयंत्रों को कुछ छूट दी गई है और थर्मल पावर स्टेशनों तक ज्यादा कोयला पहुंचाने के लिए कदम उठाए गए हैं। कृषि, नागरिक उड्डयन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे अन्य क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों से निपटने के उपायों पर भी चर्चा हुई। खाद की उपलब्धता बनाए रखने के लिए यूरिया उत्पादन जारी रखा जा रहा है और डीएपी/एनपीके खाद के लिए विदेशों से समन्वय किया जा रहा है।

राज्यों से कहा गया है कि वे खाद की कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्ती से नजर रखें। पिछले एक महीने में खाने-पीने की चीजों की कीमतें स्थिर रही हैं। कीमतों की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और राज्यों के साथ लगातार संपर्क रखा जा रहा है। सब्जियों, फलों और अन्य कृषि उत्पादों के दामों पर भी नजर रखी जा रही है। ऊर्जा, खाद और अन्य जरूरी चीजों की सप्लाई के लिए वैश्विक स्तर पर नए स्रोत तलाशे जा रहे हैं। इसके साथ ही, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। पीएम मोदी ने बैठक के बाद एक्स पर किया पोस्ट-प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा, कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की और आगे उठाए जाने वाले कदमों पर भी चर्चा की। ऊर्जा, कृषि, उर्वरक, विमानन, जहाजरानी और रसद जैसे क्षेत्रों से संबंधित पहलुओं पर चर्चा हुई।%बैठक में शीर्ष मंत्री और अधिकारी शामिल-बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव, मनोहर लाल खट्टर, प्रल्हाद जोशी, के राममोहन नायडू और हरदीप सिंह पुरी समेत कई मंत्री शामिल हुए। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास तथा कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन भी बैठक में मौजूद थे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध से उत्पन्न हालात को चुनौतीपूर्ण बताया था। उन्होंने देशवासियों से एकजुट होकर इस संकट का सामना करने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने संकट का राजनीतिकरण करने वालों को भी चेतावनी दी और कहा कि ऐसे समय में स्वार्थ की राजनीति की कोई जगह नहीं है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को भी देश के लिए नुकसानदेह बताया।उन्होंने कहा था, पिछले एक महीने से हमारे पड़ोस में भीषण युद्ध चल रहा है। ये चुनौतीपूर्ण समय है और हमें मिलकर इसका सामना करना होगा।इससे पहले 22 मार्च को भी प्रधानमंत्री ने इसी समूह के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की थी। उस बैठक में खाद्य, ऊर्जा और ईंधन सुरक्षा सहित आम लोगों की जरूरतों का आकलन किया गया था। प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था कि यह संघर्ष लगातार बदलती स्थिति है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। ऐसे में नागरिकों को इसके प्रभाव से बचाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने होंगे।उन्होंने सभी सरकारी विभागों को मिलकर काम करने और आम लोगों को कम से कम असुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। 12 मार्च को भी प्रधानमंत्री ने कहा था कि पश्चिम एशिया का युद्ध वैश्विक ऊर्जा संकट को जन्म दे रहा है और यह राष्ट्रीय चरित्र की परीक्षा है, जिसका सामना शांति, धैर्य और जागरूकता से करना होगा। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी सरकार अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं को दूर करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्त्राइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद यह संघर्ष शुरू हुआ था, जिसके जवाब में ईरान ने इस्त्राइल और उसके कई खाड़ी पड़ोसी देशों को निशाना बनाया। ईरान के नियंत्रण में मौजूद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा आपूर्ति होती है। संघर्ष के बाद से इस मार्ग से बहुत कम जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जा रही है, जिससे भारत समेत कई देशों में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। संघर्ष शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, नीदरलैंड, मलयेशिया, इस्त्राइल और ईरान के नेताओं से बातचीत की है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से भी 24 मार्च को फोन पर बातचीत की थी और कहा था कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर उपयोगी विचार-विमर्श हुआ।

संक्षिप्त समाचार

सत्ता में आए तो रद्द होगा सीएपीएफ कानून, बोले राहुल गांधी

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 बुधवार को राज्यसभा में पारित हो चुका है। इसे आज लोकसभा में पेश किया गया है। यहां से भी इसके आसानी से पारित होने की संभावना है। वहीं, सीएपीएफ बिल को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार इस बिल के जरिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट रही है।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि अगर आगामी आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आती है, तो सीएपीएफ विधेयक 2026 को रद्द कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट अजय मलिक से मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अजय मलिक ने नक्सली मुठभेड़ के दौरान आईईडी धमाके में अपना एक पैर खो दिया था देश की रक्षा में सब कुछ दांव पर लगा दिया। राहुल गांधी ने सीएपीएफ बिल पर खड़े किए सवाल-राहुल गांधी ने कहा, 15 साल से अधिक की निष्ठापूर्ण सेवा के बावजूद - प्रमोशन नहीं, अपनी ही फोर्स को लीड करने का अधिकार नहीं। क्योंकि सभी शीर्ष पद आईपीएस अफसरों के लिए आरक्षित हैं। यह सिर्फ एक अफसर की पीड़ा नहीं - यह लाखों सीएपीएफ जवानों के साथ हो रहा संस्थागत अन्याय है।उन्होंने आगे कहा, ये जवान सीमाओं पर तैनात रहते हैं। आतंक और

अखिलेश बोले- भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा चुनाव आयोग, यूपी में गड़बड़ी करने वालों पर अब तक कार्रवाई नहीं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए हैं और कहा कि आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी के उपचुनाव में भी अफसरों ने गड़बड़ी की थी।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम सहित जिन राज्यों में चुनाव चल रहा है वहां पर चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है। बंगाल में आयोग ने डीजीपी सहित बड़े अधिकारियों को हटा दिया गया है। इतने अधिकारियों को यूपी में 2022 चुनाव में नहीं हटाया गया था। हम लोगों ने यूपी के उपचुनाव में देखा है कि जिन अधिकारियों ने गड़बड़ी की थी उन पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई। न चुनाव आयोग ने की और न ही सरकार ने। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि बंगाल और असम के चुनाव पूरे होने के बाद भाजपा के लोग यूपी आ जाएंगे लेकिन यूपी में इस बार पीडीए की सरकार बनेगी। भाजपा के लोगों ने अच्छे दिन लाने का वादा किया था। हम कहते हैं कि यूपी से भाजपा की सरकार जाते ही बुरे दिन खत्म हो जाएंगे। आईएएस रिंकू सिंह राही के इस्तीफे को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। ऐसे अधिकारी पीडीए की सरकार बनाने के लिए काम करने वाले हैं।सिलिंडर संकट के पीछे भाजपा के लोग- अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में सिलिंडर संकट के पीछे भाजपा के लोग हैं। इन्होंने इसे बढ़ाया है। वहीं, किसानों से भी उन्होंने (भाजपा) आय दोगुना करने का वादा किया था पर किसान परेशान हैं। उन्हें फसल का सही दाम नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां कहीं भी गड़बड़ी हो रही है वहां भाजपा के लोग हैं।

मालदा की घटना पर भड़कीं सीएम ममताः बोलीं- मेरी सारी शक्तियां छीन लीं, चुनाव आयोग और भाजपा पर भी साधा निशाना

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों के साथ हुई घटना के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आयोग पर कानून व्यवस्था संभालने में नाकाम रहने का आरोप लगाया।पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर बड़ा हमला बोला है। मुख्यमंत्री ने मालदा जिले में मतदाता सूची में सुधार (स्ट्रक्र) के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों द्वारा घेरे जाने की घटना पर नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग अपने

अधिकारियों की रक्षा करने में पूरी तरह नाकाम रहा। ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद के सागरदिघी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने कानून व्यवस्था के बिगड़ते हालात के लिए सीधे तौर पर चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया।ममता बनर्जी ने कहा कि मालदा में सात न्यायिक अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों ने कई घंटों तक घेरे रखा। इन अधिकारियों को सुरक्षा बलों ने बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। यह अधिकारी मतदाता सूची से नाम काटे जाने के विरोध में हो रहे प्रदर्शन का सामना कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि चुनाव की घोषणा के बाद से आयोग ने प्रशासन और पुलिस के सभी बड़े अधिकारियों को अपनी पसंद से तैनात किया है। इसके बावजूद वह सुरक्षा देने में विफल साबित हो रहा है।रैली में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक जैसे बड़े अधिकारियों को चुनाव आयोग ने हटा दिया है।

सीएम योगी बोले-जरूरतमंद के आवास और बीमार के इलाज की होगी व्यवस्था, बच्चों को पढ़ने के लिए किया प्रेरित

गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 100 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से

मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया।कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 100 लोगों से मुलाकात की।महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। उन्होंने पुलिस से जुड़े मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद मांगने लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए बच्चों को चॉकलेट देकर सीएम योगी ने उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

संपादकीय Editorial

Freedom from 'Red Terrorism'!

India is almost Naxal-free. Union Home Minister Amit Shah made this claim-like declaration in the Lok Sabha. March 31, 2026, was the deadline set for achieving Naxal-free status. However, a debate on Naxalism erupted in Parliament, in response to which the Home Minister made the announcement, revealing the conditions and factors contributing to the spread of Naxalism. With jubilation and enthusiasm, the Home Minister also announced that the 'Red Corridor' in the country had been eliminated. The two or four Naxalite leaders who are absconding will either surrender or be killed. The opposition is calling these unjust killings. Surprisingly…! However, the word 'Naxalism' will now be consigned to history. It took nearly 59 long years to eradicate 'Leftist, Maoist terrorism' from the country. The government has accepted the time as 706 months. The movement, which began in West Bengal in 1967 under the leadership of leftist leaders Charu Majumdar and Kanu Sanyal, was less ideological and more armed and violent. Indeed, the movement was masquerading as a struggle for farmers, laborers, landless people, and tribal people. Slogans like economic inequality, exploitation, injustice, capitalism, unequal distribution of land or landlessness, proletariat, bourgeoisie, etc. were used, but even by 2026, these slogans proved hollow and pretentious, as unequal conditions persist in the country. The Naxalites were against the country's parliamentary system and advocated for an "armed revolution." The movement, or insurgency, spread across approximately 150 districts and was nicknamed the "Red Corridor." These areas were indeed blood-soaked. While espousing their vision of equality and justice, the Naxalites killed 7,532 innocent people and "martyred" approximately 5,000 security personnel. Those who controlled approximately 17% of the country's territory, the "Red Corridor," and over 120 million people were affected and oppressed by "Red Extremism." What kind of social movement was that? They killed nearly 20,000 young people. Why? They confiscated approximately 92% of sophisticated weapons from the police and security forces. What kind of movement for equality and poverty alleviation was that? The government was spending 2,000 crore rupees annually on the fight against and eradicating "Red Terrorism." During the campaigns, conflicts, and encounters to free the country from Naxalism, 706 Naxalites were killed, 2,208 were arrested and sent to jail, and 4,839 surrendered. Home Minister Amit Shah made all these revelations in the Lok Sabha, and he saluted the security forces and police personnel. Despite the liberation movement, there is a segment of society that celebrated at JNU when Naxalites attacked and "martyred" 76 CRPF soldiers. This segment is the "Urban Naxal," comprising intellectuals, doctors, journalists, MPs, respected writers, and others. They continue to champion the Naxalites and write articles in their support. Advocating a violent movement is also a crime. Following the establishment and activation of Naxalism, 3,620 violent incidents were reported in a single year. In 2002, 130 innocent passengers were killed in an attack on the "Rajdhani Express" train. However, while "red terrorism" may have been virtually eradicated, remnants of the criminal, murderous mentality persist. These too must be crushed.

The heat of the Iran-Israel war reaches Badrinath and Kedarnath.

The Char Dham Yatra is not only religiously significant but also the lifeline of Uttarakhand's economy. Every year, millions of pilgrims from India and abroad visit these holy shrines. Generally, this number is estimated to be around 5 million. The deepening military conflict between Iran and Israel in West Asia is no longer just a conflict between two countries. Its effects are rapidly spreading to the global economy, energy markets, transportation systems, and everyday life. The heat of this international tension is now being felt even in the Char Dham Yatra, one of the country's largest religious pilgrimages located in the remote Himalayas. Centers of faith like Badrinath, Kedarnath, Gangotri, and Yamunotri are not only preparing to welcome pilgrims this year, but are also grappling with the challenges of inflation, supply shortages, and potential chaos. This year's Char Dham Yatra is scheduled to commence on April 19th, coinciding with Akshaya Tritiya. The doors of Gangotri and Yamunotri shrines will open on the same day, while Kedarnath shrine will open for pilgrims on April 22 and Badrinath shrine on April 23. In light of this, the formal inauguration of the pilgrimage in Rishikesh is expected to take place on April 14 or 15. However, the atmosphere of the pilgrimage is not as relaxed and enthusiastic as before. The war-induced conditions have raised fears that the pilgrimage will be more expensive than before and that the number of foreign pilgrims may also be affected. Along with faith, the Chardham Yatra, the pivot of Uttarakhand's economy, is not only religiously significant but also the lifeline of Uttarakhand's economy. Every year, millions of pilgrims from India and abroad visit these holy shrines. Normally, this number is estimated to be around 5 million. This massive pilgrimage generates unprecedented activity in trade, transportation, hospitality, employment, and local markets in the state's mountainous regions. However, this time, the situation has changed. The war has led to a surge in global crude oil and gas prices. This is bound to have a direct impact on an energy-importing country like India. The impact of rising petrol, diesel, and cooking gas prices is felt more severely in the mountains than in the plains, as every commodity is transported over long distances and through difficult geographical conditions. This is why the entire cost structure of the Chardham Yatra is under pressure this time. Inflation is pressing on every front, from transportation to food. Road transport is the primary support for the Chardham Yatra. The majority of pilgrims travel by buses, taxis, and private vehicles. The rise in fuel prices is bound to have a direct impact on fares. When road transport costs rise, it impacts not only vehicle fares but also the prices of hotels, food, rations, drinking water, daily necessities, and other essential services. Thousands of hotels, restaurants, dhabas, and temporary eateries operate along the approximately 1,300-kilometer-long pilgrimage route from Rishikesh to the Char Dham. Most of these kitchens rely on LPG. If the availability of cooking gas is disrupted or prices rise, the impact will be directly felt on the food plate. Under current circumstances, there is a strong fear that the prices of food, tea, snacks, and other essential services along the pilgrimage route may increase significantly. It is estimated that if the gas crisis continues, food-related expenses could increase by at least 20 percent. This will directly impact the pockets of pilgrims. Transport businesses are concerned, bookings affected. The Rishikesh-based TGMOU Transport Company, which is primarily responsible for the transportation system during the Chardham Yatra, is also concerned about the situation. Company President Jitendra Singh Negi says that if the war continues for a long time and the availability of cooking gas does not return to normal, this year's Chardham Yatra could be severely affected. According to him, approximately 3,000 buses have been designated for the pilgrimage this year, and bookings have already begun. Many pilgrims traveling in groups from different parts of the country also bring kitchen supplies with them, requiring amenities like gas cylinders during the journey. Ensuring such arrangements is becoming increasingly difficult under the current circumstances. According to Negi, some travel groups have even begun canceling pre-booked bus bookings, indicating that uncertainty is now taking its toll. This could have a profound impact on local livelihoods. The Chardham Yatra is not just a pilgrimage for pilgrims, but also the mainstay of the seasonal economy of Uttarakhand's mountain communities. Millions of families in the state directly and indirectly depend on this pilgrimage. Hoteliers, dhaba operators, tour operators, local guides, pandas, priests, horse- and mule operators, dandi-kandi service providers, flower and prasad sellers, photographers, small shopkeepers, and handicraft vendors—all derive a significant portion of their income from this pilgrimage season. If the pilgrimage becomes more expensive, the number of travelers will naturally be affected. Pilgrims, especially those from the middle and lower income groups, may postpone their trips, shorten their duration, or switch from group trips to individual ones. This will have a direct impact on local markets. Fewer pilgrims mean fewer stays, less shopping, and less food. Consumption and reduced cash flow. This could severely impact seasonal income in mountainous regions. Foreign pilgrims and air services are also under pressure. The impact of the war is not limited to road travel. Changes in international air routes, increased costs of flights from the Gulf and Europe, and global security concerns could also reduce the number of NRIs and foreign tourists. While the share of foreign pilgrims and NRIs in the Char Dham Yatra is small compared to the total number, their expenditure is relatively high. They spend more on better hotels, private transportation, guide services, local shopping, and additional tourist activities. Therefore, a decline in their numbers could have a disproportionate impact on the tourism sector's income. Helicopter services have now become an important part of the pilgrimage to remote shrines like Kedarnath. Elderly, time-consuming pilgrims, and special category travelers rely on these services. However, the increase in the price of aviation turbine fuel is sure to directly impact helicopter fares. If the war prolongs, pressure on the global supply chain could also increase, impacting the availability of spare parts and technical resources in the aviation sector. This situation could impact both the cost and operation of services. The Himalayas are no longer untouched by the global economy. The Char Dham shrines may be geographically inaccessible and spiritually unique, but they are no longer isolated from the ups and downs of the global economy. A crucial reality of the modern world is that a war in one region can impact societies, economies, and traditions thousands of kilometers away. The Iran-Israel conflict has once again highlighted this interdependence. For Uttarakhand, this is a time not only for concern but also for strategic preparation. The travel-related service sector must become more efficient, flexible, and sensitive. Promoting local products, traditional cuisine, handicrafts, and cultural experiences can explore alternatives to generate better revenue despite limited visitor numbers. The need to shift from a mere quantity-driven model to a quality-driven model is felt more urgently now than ever before. This is a testing time for the government and society. The Char Dham Yatra is a significant symbol of India's spiritual tradition, cultural continuity, and collective faith. Keeping it smooth, safe, and dignified, even amid global instability, inflation, and supply shortages, is the shared responsibility of the government, administration, transportation system, and local communities. The state government must make timely special arrangements to ensure the availability of fuel, cooking gas, food items, and transportation services. Strict monitoring of black marketing and artificial scarcity will be essential. Uninterrupted supply of essential commodities along the pilgrimage route, monitoring fare controls, transparent helicopter rates, and coordination with local businesses will be more important this time than ever before. The challenge of protecting the pilgrimage of faith from crisis: The heat of the Iran-Israel war has made clear how deeply interconnected the world is today. The fact that a war in West Asia could impact the Himalayan pilgrimage in Uttarakhand is enough to illustrate the complex economic structure of this era. The Chardham Yatra is not just a ceremony to open the doors of temples, but a vast annual cycle of faith, economy, culture, and social life. To protect this cycle from crisis, immediate management as well as long-term strategies are essential. If the government, administration, and society work together to prepare in time, the continuity, dignity, and public trust of this journey can be preserved even

रोना नहीं है, मैं फिर आऊंगा, रामपुर में एसपी की विदाई का भावुक पल, फूट-फूटकर रोईं महिला सिपाही

रामपुर में एसपी विद्यासागर मिश्र की विदाई के दौरान महिला सिपाहियों समेत पुलिसकर्मी भावुक होकर रो पड़े। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। नए एसपी सोमेंद्र मीणा ने कार्यभार संभालते हुए जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए हैं।उत्तर प्रदेश के रामपुर में एसपी विद्यासागर मिश्र की विदाई के दौरान पुलिस लाइन में भावुक माहौल देखने को मिला। जिसने हर किसी को अंदर तक छू लिया। आमतौर पर ट्रांसफर और विदाई समारोह औपचारिक होते हैं लेकिन इस बार का दृश्य कुछ अलग ही था। यहां रिश्तों की सच्चाई और जुड़ाव खुलकर सामने आया। बुधवार को आयोजित विदाई समारोह में जैसे ही विद्यासागर मिश्र मंच से नीचे उतरे, महिला सिपाहियों की आंखों से आंसू छलक पड़े। कई महिला सिपाही खुद को संभाल नहीं सकीं और फूट-फूटकर रोने लगीं। कुछ सिपाहियां तो रोते हुए यह तक कहती नजर आईं-सर, आप मत जाइए। यह भावुक अपील सुनकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। इस दौरान एसपी भी अपने जज्बातों पर काबू नहीं रख सके। उन्होंने एक-एक सिपाही के पास जाकर उन्हें सांत्वना दी।एक महिला सिपाही के सिर पर हाथ रखकर उन्होंने स्नेहपूर्वक कहा-रोना नहीं है, मैं फिर आऊंगा। उनके इस जवाब ने माहौल को और भी भावुक कर दिया। यह पल न सिर्फ एक अफसर की विदाई थी, बल्कि एक ऐसे नेता की विदाई थी, जिसने अपने अधीनस्थों के दिलों में खास जगह बनाई।वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि वहां मौजूद पुलिसकर्मी चाहे वह जवान हों या अधिकारी सभी भावुक नजर आ रहे हैं। किसी की आंखों में आंसू हैं तो कोई चुपचाप इस पल को महसूस कर रहा है। इस बीच पीछे से गाना बज रहा है कभी अलविदा ना कहना।उधर, रामपुर को नए एसपी के रूप में 2017 बैच के आईपीएस सोमेंद्र मीणा ने पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके बाद उन्होंने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई शुरू की और फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जनता की शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समय पर न्याय मिल सके। नए एसपी के स्वागत के दौरान एएसपी अनुराग सिंह और सीओ टांडा कीर्ति निधि आनंद समेत अन्य अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। गौरतलब है कि प्रशासनिक फेरबदल के तहत विद्यासागर मिश्र का तबादला सीतापुर पीटीसी कर दिया गया है।

बस से समान उतार रहे हेल्पर और तीन सवारियों को टाटा मैजिक ने रौंदा, दो की मौत; तीन घायल

यूपी के रामपुर में निजी बस से समान उतार रहे हेल्पर और तीन सवारियों को पीछे से टाटा मैजिक ने टक्कर मार दी। हादसे में दो की मौत हो गई। तीन घायल हो गए। यूपी के रामपुर जिले में तड़के बड़ा हादसा हुआ है। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शाहबाद-बिलारी रोड स्थित बड़ागांव के पास दिल्ली-सिरौली की निजी बस से समान उतार रहे हेल्पर और तीन सवारियों को पीछे से आ रहे टाटा मैजिक ने टक्कर मार दी। हादसे में हेल्पर रिजवान (32) और सवारी अरशद (28) की मौत हो गई। जबकि इस हादसे में कासिम और विशाल के मामूली चोटें आई है। जबकि टाटा मैजिक चालक के भी गंभीर चोटें आई है। जानकारी के मुताबिक, बृहस्पतिवार तड़के 4:30 बजे दिल्ली-सिरौली को चलने वाली निजी बस से शाहबाद के बड़ागांव चौराहे पर हेल्पर रिजवान, मित्रपुर गांव निवासी विशाल का समान उतार रहा था। समान उतारते वक्त शाहबाद के मोहल्ला कानूनगोयान निवासी रिजवान भी नीचे उतर आए। इन्हीं के साथ विशाल और खरसोल गांव निवासी कासिम भी नीचे बस से उतर आए। कासिम और विशाल के मुताबिक बिलारी की ओर से आ रहे तेज रफ्तार लोडिंग वाली टाटा मैजिक चालक संभल के असमोली निवासी वसीम ने आकर टक्कर मार दी। हादसे में टाटा मैजिक चालक, हेल्पर और तीन सवारियों समेत पांच लोग जख्मी हो गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में पहुंचाया। लेकिन डॉक्टर ने रिजवान और अरशद को मृत घोषित कर दिया। वहीं, इस हादसे में घायल विशाल और कासिम का प्राथमिक उपचार किया गया। जबकि टाटा मैजिक चालक अपने ही वाहन में फंस गया था, उसकी टांगें टूट गई। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद फंसे हुए टाटा मैजिक चालक को बाहर निकाला और उसे भी सीएचसी में भर्ती कराया। डॉक्टर ने टाटा मैजिक चालक के प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घायल विशाल और कासिम के मुताबिक यह दोनों और अरशद दिल्ली से बाइकों का समान लेकर आ रहे थे। इस अचानक मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के परिवार के लोगों का रोरोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिए है।

जज के पिता की हत्या की साजिश में शामिल प्रॉपर्टी डीलर गिरफ्तार, बीच चौराहे पर किया था कत्ल

नागफनी के बंगला गांव चौराहे पर बेकरी संचालक मोहम्मद असद की हत्या मामले में पुलिस ने साजिश में शामिल आसिफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मुख्य आरोपी जफर और उसके दो बेटे अभी फरार हैं। उन पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित है।नागफनी क्षेत्र के बंगला गांव चौराहे में जज के पिता एवं बेकरी संचालक मोहम्मद असद की हत्या के मामले में पुलिस ने बुधवार को एक और आरोपी आसिफ को गिरफ्तार कर लिया। आसिफ पर आरोप है कि वह हत्याकांड की साजिश रचने में शामिल रहा है। इस मामले दो आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं जबकि मुख्य आरोपी जफर और उसके दो बेटों फरार हैं।तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित है। सिविल लाइंस के जिगर कॉलोनी निवासी मो. असद की बेटी असमा सुल्ताना जज हैं और उनकी और उनके पति की तैनाती बुलंदशहर जिले में है। 27 मार्च की शाम मो. असद अपने छोटे साले मुजाहिद के साथ स्कूटी से लाल मस्जिद में नमाज पढ़ने जा रहे थे।नागफनी क्षेत्र के बंगला गांव चौराहे के पास मो. असद का दूसरा साला जफर हुसैन आया और उसने सिर में तमंचा सटाकर मो. असद की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मुजाहिद हुसैन उर्फ डेनियल ने अपने भाई नागफनी के ढहरिया निवासी मो. जफर इसके बेटे सैफुल जफर, हुसैन और आलमगीर निवासी कटघर, दामाद मो. फैजान निवासी मोहल्ला कानूनगोयान थाना मुगलपुरा के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।मो. फैजान और आलमगीर को पुलिस ने अगले दिन ही गिरफ्तार कर लिया था। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि बुधवार को पुलिस ने सिविल लाइंस के बिशनपुर भीमाठेर निवासी आसिफ को गिरफ्तार कर लिया है। मो. आसिफ जफर का बेहद खास है।मो. असद की हत्या की साजिश आसिफ के घर बैठकर रची गई थी। बुधवार को मो. आसिफ को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ दिल्ली में जानलेवा हमला, वाहन चोरी समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज हैं।

कौन था एनकाउंटर में ढेर मोंटी?: चार हत्या, लूट और डकैती, वेस्ट यूपी के इस गैंग का था शार्प शूटर; आशू की कुंडली

मुरादाबाद के निर्यातक से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने वाला बदमाश पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया। हापुड़ निवासी आशू उर्फ मोंटी पर पचास हजार का इनाम था। 36 मुकदमों में से नौ मेरठ में दर्ज हैं। एसटीएफ मेरठ संयुक्त कार्रवाई में आशू सिविल लाइंस क्षेत्र के एक्सपोर्ट के मालिक से पांच करोड़ रुपये की बदमाश को पुलिस ने कर दिया। बदमाश की के रूप में हुई है। वह और मुरादाबाद पुलिस की मारा गया।मुरादाबाद के प्रेम नगर स्थित वजीर चंद्र एवं निर्यातक अरशू ढल रंगदारी मांगने वाले बुधवार रात मुठभेड़ में ढेर पहचान आशू उर्फ मोंटी हापुड़ के हाफिजपुर थानाक्षेत्र के मीरापुर गांव निवासी था। उस पर 50 हजार का इनामी था। मेरठ एसटीएफ और मुरादाबाद की संयुक्त टीमों ने यह कार्रवाई की। मोंटी पर अलग-अलग थानों में दर्ज 36 मुकदमे में से नौ मेरठ के हैं। एसटीएफ एएसपी बृजेश सिंह ने बताया कि उसने साल 2014 में सरूरपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर रजापुर में जिला पंचायत सदस्य मीतन के भाई चेतन की हत्या कर दी थी।मुरादाबाद के सिविल लाइंस के रामगंगा विहार स्थित शुभम ग्रीन विला निवासी अरशू ढल की कांठ रोड पर प्रेम नगर में वजीरचंद एक्सपोर्ट फर्म है। उन्होंने सिविल लाइंस थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 मार्च की रात 8:08 बजे उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से मिस कॉल आई थी। इसके एक मिनट बाद व्हाट्सएप पर दोबारा कॉल आई। निर्यातक ने कॉल रिसीव की तो सामने वाले ने गाली गलौज शुरू कर दी। निर्यातक ने कॉल काट दी। इसके बाद आरोपी ने व्हाट्सएप मैसेज किया और पांच करोड़ का इंतजाम करने को कहा।एक्सपोर्टर का कहना है कि 14 मार्च की दोपहर 2:31 बजे आरोपी ने फिर से मैसेज किया और कहा कि तुम आशू उधम को नहीं जानते हो। इसके बाद जान से मारने की धमकी भरा मैसेज भेजा था। इसके अगले ही दिन बाइक सवार बदमाशों ने फर्म के गेट पर पहुंचकर फायरिंग की थी। इस मामले में गार्ड उमेश की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि आशू पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया था।सिविल लाइंस पुलिस के अलावा एसटीएफ भी उसकी तलाश में थी। बुधवार की रात आरोपी बदमाश आशू रंगदारी की रकम लेने मुरादाबाद पहुंचा था। सिविल लाइंस क्षेत्र में इस्लाम नगर रोड पर पोस्टमार्टम हाउस के पास बदमाश मौजूद था।टीमों ने उसे घेरने की कोशिश की तो उसने फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने फायरिंग कर दी। बदमाश को दो गोली लगीं और वह मौके पर ही गिर गया। पुलिस उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।वेस्ट यूपी के कुख्यात उधम सिंह गैंग का शार्प शूटर था आशू उर्फ मोंटी- मुरादाबाद शहर की नामचीन निर्यात फर्म बजीरचंद्र के मालिक अरशू ढल से कुख्यात उधम सिंह गैंग का शार्प शूटर आशू उर्फ मोंटी चड्ढा पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांग रहा था। यह गिरोह वर्षों से मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, हापुड, गाजियाबाद समेत वेस्ट यूपी और एनसीआर में कारोबारियों से रंगदारी, फिरौती मांगने और सुपारी लेकर हत्या के अलावा बड़ी लूट की वारदातों को अंजाम देता आ रहा है।हापुड़ के हाफिजपुर थानाक्षेत्र के मीरापुर निवासी आशू उर्फ मोंटी चड्ढा 2010 में हत्या के मामले में जेल गया था। जेल में वह उधम गैंग के संपर्क में आ गया। जमानत मिली तो वह बाहर आकर उधम सिंह गैंग में शामिल हो गया। इसके बाद उसने रंगदारी मांगनी शुरू कर दी।रंगदारी नहीं मिलने पर उसने हत्याएं भी कीं। आशू उर्फ मोंटी ने अपने साथी के साथ मिलकर मुरादाबाद के कारोबारियों से रंगदारी मांगने की योजना बनाई। उसने अपने कुछ साथियों की मदद से मुरादाबाद के निर्यातक अरशू ढल का मोबाइल नंबर हासिल कर लिया और व्हाट्सएप के जरिए रंगदारी मांगनी शुरू कर दी।

संक्षिप्त समाचार

पॉश कॉलोनी में चलता रहा देह व्यापार, अंजान बने रहे चौकी इंचार्ज और बीट सिपाही, दोनों निलंबित

मुरादाबाद की पॉश कालॉनी में लंबे समय से देह व्यापार चल रहा था। इसके लेकर सिपाही और दरोगा अनजान बने रहे। इस पर दोनों के एसएसपी ने निलंबित कर दिया। मुरादाबाद की पॉश कॉलोनी बुद्धि विहार में चल रहे देह व्यापार की जानकारी होने के बावजूद लाइन पार चौकी इंचार्ज शिवम वशिष्ठ और बीट सिपाही गुरदीप कुमार अंजान बने थे। वहीं जानकारी मिलते ही एसएसपी सतपाल अंतिल ने मकान पर छापा पड़वा दिया।जहां से दो महिला समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया। इसके बाद एसएसपी ने दोनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर इनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं। मझोला थाना क्षेत्र के बुद्धि विहार सेक्टर- सात बी में आस पड़ोस में रहने वाले लोगों ने एक मकान में कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखीं।उन्होंने इसकी जानकारी लाइन पार चौकी इंचार्ज शिवम वशिष्ठ और बीट सिपाही को दी लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। इस मामले की शिकायत एसएसपी के पास तक पहुंच गई। उन्होंने सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता को टीम के साथ मौके पर भेज दिया। जहां एक मकान में दो महिला समेत आठ लोग मौजूद थे। पुलिस की जांच पड़ताल में पता चला कि यहां देह व्यापार चल रहा था। दिल्ली और हरियाणा की महिलाएं आती हैं। जांच में चौकी इंचार्ज और बीट सिपाही की भूमिका संदिग्ध पाई है। दोनों को निलंबित कर दिया गया है।एएसपी अभिनव द्विवेदी को बनाया सीओ सिविल लाइंस-एसएसपी सतपाल अंतिल ने जिले के चार सीओ के कार्यक्षेत्र बदल दिए हैं। सीओ कुलदीप कुमार गुप्ता को सीओ कार्यालय, सीओ कटघर वरुण कुमार को जनशिकायत की जिम्मेदारी दी गई है। एएसपी एवं कांठ सीओ अभिनव द्विवेदी सीओ सिविल लाइंस बनाया गया है। सीओ शुभम पटेल को कांठ सर्किल की जिम्मेदारी दी गई है। लाइन में तैनात सीओ गौरव कुमार त्रिपाठी को सीओ कटघर बनाया गया है।

रिपोर्ट दर्ज करने के मांगे दस हजार, हकीमपुर चौकी प्रभारी निलंबित, अन्य कर्मियों की भी चल रही जांच

रिपोर्ट दर्ज करने के एवज में पैसे मांगने वाले चौकी प्रभारी को एसएसपी सतपाल अंतिल ने निलंबित कर दिया है। दरोगा की शिकायत एसएसपी से की गई थी। इस मामले में अन्य की भूमिका की भी जांच हो रही है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने पाकबड़ा क्षेत्र की हकीमपुर चौकी इंचार्ज अंकित कुमार को निलंबित कर दिया है। गुरैठा गांव निवासी उपेंद्र ने एसएसपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें उसने बताया कि चाचा नन्हें की जमीन का बैनामा एक व्यक्ति अपने नाम पर करा लिया है। चाचा की मौत हो चुकी है।उसने प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए हकीमपुर चौकी इंचार्ज अंकित कुमार को प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन चौकी इंचार्ज ने दस हजार रुपये ले लिए हैं। पीड़ित ने एक ऑडियो भी एसएसपी को दिया था। जिसमें रुपये के लेनदेन की बात चल रही थी। एसएसपी ने सीओ हाईवे राजेश कुमार से जांच कराई। जांच रिपोर्ट के आधार पर चौकी इंचार्ज अंकित कुमार को निलंबित कर दिया। एएसपी अभिनव द्विवेदी को बनाया सीओ सिविल लाइंस- एसएसपी सतपाल अंतिल ने जिले के चार सीओ के कार्यक्षेत्र बदल दिए हैं। सीओ कुलदीप कुमार गुप्ता को सीओ कार्यालय, सीओ कटघर वरुण कुमार को जनशिकायत की जिम्मेदारी दी गई है। एएसपी एवं कांठ सीओ अभिनव द्विवेदी सीओ सिविल लाइंस बनाया गया है। सीओ शुभम पटेल को कांठ सर्किल की जिम्मेदारी दी गई है। लाइन में तैनात सीओ गौरव कुमार त्रिपाठी को सीओ कटघर बनाया गया है। लाइन पार चौकी इंचार्ज और सिपाही निलंबित - पॉश कॉलोनी बुद्धि विहार में चल रहे देह व्यापार की जानकारी होने के बावजूद लाइन पार चौकी इंचार्ज शिवम वशिष्ठ और बीट सिपाही गुरदीप कुमार अंजान बने थे। वहीं जानकारी मिलते ही एसएसपी सतपाल अंतिल ने मकान पर छापा पड़वा दिया। जहां से दो महिला समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया। इसके बाद एसएसपी ने दोनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर इनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं। मझोला थाना क्षेत्र के बुद्धि विहार सेक्टर- सात बी में आस पड़ोस में रहने वाले लोगों ने एक मकान में कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखीं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत हक की बात व शक्ति संवाद कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत हक की बात जिलाधिकारी के साथ एवं शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार, जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) संतोष कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्रीमती मोनिका राणा, संरक्षण अधिकारी सौरभ सिंह, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रबंधक श्रीमती चंचल गंगवार, जिला मिशन कोऑर्डिनेटर (हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन) रिंकी सैनी, परामर्शदाता रसना गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा महिला कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं-मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड/सामान्य) तथा पति की मृत्यु उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना-के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।इसके उपरांत जिलाधिकारी महोदय ने योजनाओं के लाभार्थियों एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, सुभाषनगर बरेली की छात्राओं से संवाद किया। संवाद के दौरान छात्राओं-सेजल, साक्षी सागर, लक्ष्मी सागर, कक्षा 7 की सृष्टि मिश्रा, अनामिका गंगवार एवं कक्षा 8 की रश्मि-ने सिविल सेवा, सेना/फौज और भारतीय पुलिस सेवा में करियर से जुड़े प्रश्न पूछे। जिलाधिकारी ने सभी छात्राओं को इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं की समस्याएं भी सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि शासन द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया जाएगा। अंत में जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि जनपद स्तर पर सभी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हर जरूरतमंद के साथ खड़ा है।

डीएम ने बांटी पाठ्य पुस्तकें, स्कूल चलो अभियान को दी नई गति

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - जनपद में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्कूल चलो अभियान के तहत गुरुवार को जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने विकासखंड अमरिया के कंपोजिट विद्यालय हर्रायपुर में छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं तथा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक अभिभावक का दायित्व है कि वह अपने बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराए, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह सके। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि डोर-टू-डोर सर्वे कर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें। इसी क्रम में बिलसंडा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय नगवा संतोष में भी अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर गांव में जागरूकता रैली निकाली। रैली के उपरांत शिक्षकों एवं अतिथियों ने बच्चों के साथ बैठकर मिड-डे मील ग्रहण किया। खंड शिक्षा अधिकारी शिव शंकर मौर्य ने अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराने की अपील की। वहीं, ललौरीखेड़ा ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय सरोरा में भी छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित कर रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारी, शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली होकर गुजरेंगी कानपुर रूट की छह ट्रेनें

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कानपुर-लखनऊ रेलखंड पर पटरियों की मरम्मत के कारण दो अप्रैल से 13 मई तक लिए गए मेगा ब्लॉक का फायदा बरेली के यात्रियों को होगा। इस दौरान दिल्ली से कानपुर होते हुए लखनऊ की ओर जाने वाली छह ट्रेनों को गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ होते हुए डायवर्ट किया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि मेगा ब्लॉक के दौरान कानपुर सेंट्रल होते हुए चलने वाली 12004 नई दिल्ली-लखनऊ जंक्शन जनशताब्दी एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग गाजियाबाद-कानपुर सेंट्रल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गाजियाबाद-मुरादाबाद-बरेली के रास्ते चलाई जाएगी। 20921 बांद्रा टर्मिनल-लखनऊ एक्सप्रेस लखनऊ, कानपुर सेंट्रल के स्थान पर लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद होते हुए संचालित होगी।

राजकीय महिला शरणालय का औचक निरीक्षण. सुरक्षा व व्यवस्थाएं मिली संतोषजनक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। एस एसपी अनुराग आर्य के दिशा निर्देशन में सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सोनाली मिश्रा एवं एसडीएम सदर प्रमोद कुमार द्वारा राजकीय महिला शरणालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मानसिक रूप से अविकसित महिलाओं के प्रकोष्ठ का भी गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां रह रही महिलाओं की सुरक्षा, आवासीय व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन, चिकित्सा सुविधाएं और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं की देखभाल, सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति विशेष संवेदनशीलता बरती जाए और सभी व्यवस्थाएं तय मानकों के अनुसार सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के दौरान महिला उपनिरीक्षक विनीता गौस्वामी, महिला हेड कांस्टेबल रीता यादव, महिला कांस्टेबल अंशुल सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी और उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान अभिलेखों की भी जांच की गई और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अधिकारियों ने संबंधित स्टाफ को निरंतर सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मातृ मृत्यु दर, जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत डिलीवरी एवं भुगतान, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सब सेंटर पर डिलीवरी की स्थिति, आशा के भुगतान, एसएनसीयू/एनबीएसयू प्रोग्रेस रिपोर्ट, एनआरसी पर कुपोषित बच्चों की भर्ती, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, जन्मजात दोष से ग्रसित बच्चों की सर्जरी, ई कवच आभा आईडी रिपोर्ट, परिवार नियोजन, प्रति सप्ताह दी जाने वाली आयरन, फोलिक एसिड सप्लिमेंट, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की क्रियाशीलता,मीजल्स रूबेला, ई-संजीवनी ओपीडी, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन अभियान के अन्तर्गत टीबी के मरीजों का चिन्हीकरण कर जनपद को टीबी मुक्त बनाये जाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सरकारी अस्पतालों एवं सब सेन्टरों पर प्रसवों की संख्या जानकारी ली एवं संस्थागत प्रसवों की संख्या में बढोत्तरी करने के निर्देश दिये । उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये गये कि गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य की नियमित जांचे कराई जाये। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत भुगतान के सम्बन्ध में जानकारी ली और अवशेष भुगतान कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिए। परिवार नियोजन कार्यक्रम में अधिक से अधिक नसबन्दी करवाने के निर्देश दियें।संचारी रोग नियंत्रण अभियान के विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की रिपोर्ट प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आंगनबाडी कार्यकत्रियों के माध्यम से कुपोषित अतिकुपोषित बच्चों को एनआरसी में भिजवाना सुनिश्चित करें। समीक्षा बैठक में आशाओं के भुगतान के सम्बन्ध में जानकारी ली गई और सम्बन्धित प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये गये कि आशा का भुगतान समय से किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह श्रीवास, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आलोक कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे

धरने पर बैठे पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार, पुलिस ने उखाड़ा पंडाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नवाबगंज में पुलिस ने पंडाल हटाया तो एसडीएम आवास के सामने पूर्व मंत्री सपा नेता भगवत सरन गंगवार बृहस्पतिवार को दरी बिछाकर धरने पर बैठ गए। इसकी जानकारी मिलने पर पूर्व मंत्री के समर्थन में सपा कार्यकर्ता पहुंच गए। सपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। वहीं अफसर पूर्व मंत्री को मनाकर हटाने की कोशिश में जुटे हैं। बता दें कि 15 मार्च को पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर 15 मांगों को उठाया था, इनके निस्तारण की मांग की थी। एक भी मांग पूरी न होने पर पूर्व मंत्री ने नवाबगंज में सरदार बल्लभ भाई पटेल चौक के पास दो अप्रैल को धरना प्रदर्शन करने का एलान किया था। जहां पर पंडाल लगाया गया था। एसडीएम उदित पवार ने धरना प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी। पुलिस ने रात में ही पंडाल हटवा दिया। प्रशासन की कार्रवाई से नाराज पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार बृहस्पतिवार सुबह अकेले ही एसडीएम आवास के सामने ही दरी बिछाकर धरने पर बैठ गए। मौके पर पहुंचे सपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। एसडीएम और सीओ अब पूर्व मंत्री को मनाने पहुंचे हैं।

गौशालाओं में बनेगा भूसा बैंक, गोचर भूमि होगी कब्जामुक्त - मंत्री धर्मपाल सिंह के सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली- पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने बृहस्पतिवार को सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर गौशालाओं के सुदृढ़ प्रबंधन को लेकर बड़े निर्देश दिए। बैठक में मंत्री ने प्रत्येक गौशाला में भूसा बैंक की स्थापना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पशुओं को चारे की कमी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग के सहयोग से उद्यमियों को जोड़कर भूसा दान की व्यवस्था की जाए। मंत्री धर्मपाल सिंह ने जिलाधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराया जाए और उस पर हरा चारा उगाने की व्यवस्था की जाए। इसके लिए उपजिलाधिकारियों के माध्यम से कब्जे वाली भूमि का चिन्हांकन कर कार्रवाई करने को कहा गया।गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौवंशों को लू और गर्मी से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। साथ ही कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से नस्ल सुधार पर विशेष जोर देने को कहा। मंत्री ने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए भी सख्ती बरतने के निर्देश दिए और मच्छरों से बचाव हेतु डी.डी.टी छिड़काव कराने को कहा। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने गेहूं क्रय केंद्रों को शत-प्रतिशत संचालित रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि किसानों तक सुविधा पहुंचाने के लिए मोबाइल क्रय केंद्र शुरू करने पर भी विचार किया जा रहा है। इसके अलावा मंत्री ने कहा कि कृषि कार्यों के लिए बिजली आपूर्ति और खाद की उपलब्धता बनी रहे, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने गोबर से वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने को भी बढ़ावा देने पर जोर अधिकारी देवयानी, एसपी सिटी मानुष परिक सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

माधोबाड़ी हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव, गूंजे भक्ति गीत

भजन गायक जगदीश भाटिया ने भजनों से बांधा समां

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। माधोबाड़ी स्थित चौराहा वाली मठिया दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में बृहस्पतिवार को हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भजन गायक जगदीश भाटिया द्वारा भगवान श्रीराम और हनुमान जी के सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। साथ ही हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी कराया गया। इस दौरान बच्चों को राम नाम की पुस्तकें वितरित की गईं। बच्चे बड़े उत्साह के साथ राम नाम लिखकर लाते हैं और हनुमान चालीसा का पाठ भी बड़े चाव से करते हैं। कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं द्वारा राम रक्षा स्त्रोत मंत्र का जाप भी किया गया- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे, सहस्त्रनाम तत्तुल्यं रामनाम वरानने भजन गायक जगदीश भाटिया ने बताया कि इस मंत्र का प्रतिदिन जाप करने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है और भगवान राम की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही उन्होंने हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करने का भी संदेश दिया। कार्यक्रम में पवनसुत हनुमान करो मेरा कल्याण और श्री राम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में जैसे भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। अंत में भजन गायक जगदीश भाटिया द्वारा सभी राम और हनुमान भक्तों का आभार व्यक्त किया गया और समस्त भक्तों के कल्याण की कामना की गई।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ भाकियू चढूनी का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) द्वारा राष्ट्रीय आह्वान पर प्राइवेट स्कूलों में हो रही मनमानी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के जिलाध्यक्ष केशव सिंह सोलंकी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि प्राइवेट स्कूलों द्वारा महंगी किताबें, बढ़ी हुई फीस व अन्य मदों के नाम पर अभिभावकों से अवैध धन उगाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि संगठन इस तरह की मनमानी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। जिलाध्यक्ष ने संबंधित विभागों एवं प्राइवेट स्कूल प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि गरीब बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न किया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा का मंदिर होता है, इसे व्यापार का अड्डा न बनाया जाए और पढ़ाई-लिखाई के नाम पर किसी प्रकार की लूट नहीं होनी चाहिए। इस दौरान ज्ञापन में जिलाध्यक्ष केशव सिंह सोलंकी के साथ जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम, जिला सचिव अर्जुन यादव, जिला उपाध्यक्ष महमूद, जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार, पंडित हुसैन खान, तहसील अध्यक्ष आंवला आरिफ अंसारी, तहसील महासचिव आंवला नशीम अहमद सहित अन्य कई किसान मौजूद रहे।

77 नई आशाएं , स्वस्थ बरेली की ओर बढ़ते कदम

सीएमओ ने 77 नवीन शहरी आशा कार्यकर्ताओं को दिए नियुक्तिपत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यक्रम में 77 नवनियुक्त आशा कार्यकर्ताओं को नियुक्त पत्र वितरित किए गए 7 मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने आशा कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि वह अपने आवंटित क्षेत्रों में पूर्ण निष्ठा और सक्रियता से कार्य करें। मातृ-शिशु स्वास्थ्य और अन्य सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए 7 उन्होंने कहा कि सभी 77 आशाएं पिछले 8 दिनों से गहन प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं , जिसमें उन्हें शहरी स्वास्थ्य मिशन की बारीकियों और सामुदायिक सेवा के गुर सिखाए गए। नोडल अधिकारी अर्बन डॉ. अजमेर सिंह ने बताया कि जनपद में शहरी क्षेत्र में अब कुल 529 आशा कार्यकर्तायें हो गई हैं पहले इनकी संख्या 452 थी 7

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ प्रशांत रंजन नें बताया कि 77 नव नियुक्त आशा कार्यकर्ताओं के आने से शहरी क्षेत्र में नियमित टीकाकरण, संचारी रोग नियंत्रण अभियान सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों को गति मिलेगी 7 जनपद के चार क्षेत्र संतनगर शेरअली, गौटिया, मौलानगर और हारूनगला में आशा कार्यकर्ताओं के पद रिक्त थे 7 नवीन 77 आशा कार्यकर्ताओं में अधिकांश आशा कार्यकर्तायें इन चार क्षेत्रों में नियुक्त की गई हैं 7 इससे इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होंगी 7 कार्यक्रम के अंत में सभी नवनियुक्त स्वास्थ्य कार्यकर्तियों ने सेवा भाव के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस गरिमामयी अवसर पर शहरी स्वास्थ्य समन्वयक अकबर हुसैन और सी.सी.पी.एम. सत्यभान सिंह और सभी 77 नवनियुक्त आशा कार्यकर्तायें मौजूद रहीं 7

फर्जीवाड़े का खुलासा: संपत्तियां छिपाकर बनवाया EaWS प्रमाण पत्र, तहसीलदार ने किया निरस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । जनपद की तहसील आंवला में सरकारी योजनाओं का गलत फायदा उठाने का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने अपनी वास्तविक संपत्ति छिपाकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) का प्रमाण पत्र बनवा लिया और इसी आधार पर प्रतिष्ठित सरकारी संस्थान में प्रवेश भी हासिल कर लिया। तहसील आंवला के ग्राम डप्टा श्यामपुर निवासी आयुष दीक्षित पुत्र सुनील कुमार दीक्षित ने फर्जी तरीके से EWS प्रमाण पत्र बनवाया। आरोप है कि उसने अपनी संपत्तियों की जानकारी छिपाई और मूल पते में भी फेरबदल किया। इस प्रमाण पत्र के जरिए उसने सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले 10त्न आरक्षण का लाभ लेकर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) में प्रवेश ले लिया इस मामले की जानकारी आकांक्षा दीक्षित को लगी, जिन्होंने ठोस साक्ष्यों के साथ मंडलायुक्त से शिकायत की। शिकायत में बताया गया कि आयुष दीक्षित के पास- बरेली शहर के मढ़ीनाथ जैसे पॉश इलाके में मकान सर्वोदय नगर में निजी संपत्ति गांव में पुश्तैनी जमीन- कस्बा बलिया में कारखाना जैसी कई संपत्तियां मौजूद हैं, जो उसे EWS श्रेणी से बाहर करती हैं। मंडलायुक्त के निर्देश पर तहसील प्रशासन ने मामले की गहन जांच की। राजस्व विभाग की टीम ने जब चल-अचल संपत्तियों का विवरण खंगाला, तो शिकायत सही पाई गई। जांच में पुष्टि हुई कि आयुष दीक्षित ने जानबूझकर तथ्यों को छिपाकर फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया था। तहसीलदार आंवला ब्रजेश कुमार वर्मा ने कड़ा रुख अपनाते हुए आयुष दीक्षित का श्वङ्खस्> प्रमाण पत्र तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया। साथ ही उसे प्रमाण पत्र कार्यालय में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम हेल्पलाइन में कार्यरत युवतियों का दर्द, बोलीं- सर, 266 रुपये में हर दिन 120 कॉल अटेंड करते हैं

लखनऊ में वीविन लिमिटेड कंपनी के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन 1076 में काम करने वाली युवतियों ने बृहस्पतिवार को धरना दिया। महीने के 7-8 हजार रुपये वेतन में 120 कॉल का टारगेट, समय पर वेतन न मिलने और नौकरी से निकालने की धमकी जैसी परेशानियों का विरोध किया। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया।सर...266 रुपये की मेहनताना में हर दिन 120 कॉल अटेंड करने का टारगेट दिया जाता है। आठ घंटे की नौकरी में यदि किसी युवती के साथ परेशानी हो जाए तो छूट्टी भी नहीं दी जाती है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नबंर के अधिकारी प्रताड़ित करते हैं और कंपनी के माध्यम से समय से वेतन भी दिया जाता है।यह पीड़ा वीविन लिमिटेड कंपनी के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन नबंर 1076 में काम करने वाली युवतियों का है। बृहस्पतिवार को जिन्होंने 1090 चौराह और संगीत नाटक अकादमी के पास धरना दिया। धरने में शामिल करीब 200 कर्मी मुख्यमंत्री जनता दरबार में जाना चाहते थे लेकिन जगह-जगह मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक दिया।युवतियों की धरने की वजह से 1090 चौराहा पर ही पुलिस प्रशासन को बैरीकेडिंग लगानी पड़ी। इस दौरान गोमतीनगर की तरफ से आने वाले वाहन करीब एक घंटे तक जाम से दो चार होते नजर आएं। पुलिस कर्मियों ने किसी तरह युवतियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेगा। लेकिन, इससे पहले युवियों की पीड़ा से राहगीर भी परेशान नजर आएं।जनता की पीड़ा सुनने वाली युवतियां ही पीड़ित- धरने में शामिल युवतियों ने बताया कि महीने का सात से आठ हजार वेतन दिया जाता है। कंपनी की तरफ से वह भी समय से नहीं मिलता है। आवाज उठाने से नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नबंर के माध्यम से जनता की पीड़ा सुनते हैं लेकिन आज हम सभी पीड़ित हैं और कोई पीड़ा सुनने वाला नहीं है। साइबर टावर ऑफिस से 1090 चौराहा तक संघर्ष करती नजर आईं युवतियां- युवतियों ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह 7 बजे ही साइबर टावर ऑफिस पहुंच गए थे। वहां लंबे समय तक अपनी बात रखने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः परेशान होकर मुख्यमंत्री जनता दरबार में अपनी बात रखने जा रहे थे। गोमतीनगर स्थित ऑफिस से निकलकर लोहिया पथ पर नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े। करीब 4.5 किलोमीटर पैदल चलने के बाद उन्हें पुलिस समतामूलक चौक व 1090 चौराहा के पास रोक लिया।15000 का वादा मिलता है 7000 से 8000 रुपये- कर्मचारियों का कहना था कि 15 हजार रुपए की सैलरी का वादा करके 7000-8000 रुपये दिए जा रहे हैं। दो महीने की सैलरी भी रोककर दी जा रही है। कंपनी के ऑफिस में काम के लिए जाते वक्त बाहर ही सबके फोन जब्त कर लिए जाते हैं। घर में कोई भी इमरजेंसी आ जाए, हम लोग जब काम करके लौटेंगे तभी जान पाएंगे। सीएम हेल्पलाइन से यूपी के सभी 75 जिलों से सुनी जाती है पीड़ा- वी विन लिमिटेड कंपनी आउटसोर्सिंग के जरिये सीएम हेल्पलाइन 1076 का संचालन करती है। सीएम हेल्पलाइन में यूपी के सभी 75 जिलों से लोग तहसील, जिला, पुलिस, बिजली, पानी, सरकारी अस्पताल, स्कूल, फसल बीमा, पेंशन, राशन कार्ड, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास और सीएम आवास संबंधी शिकायतें दर्ज कराते हैं।

संक्षिप्त समाचार

टीईटी अनिवार्यता पर शिक्षकों का शक्ति प्रदर्शन चार अप्रैल को, दिल्ली पहुंचने की हो गई शुरुआत; होगी रैली

प्राथमिक शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता को लेकर यूपी के शिक्षक आर-पार के मूड में हैं। इसको लेकर चार अप्रैल को दिल्ली में जुटान होगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता किए जाने के विरोध में 04 अप्रैल को दिल्ली में देश भर के शिक्षक एकत्र हो रहे हैं। टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) के बैनर तले रामलीला मैदान में देश भर से लाखों शिक्षक एकजुट होकर अपनी ताकत का एहसास कराएंगे।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के महामंत्री संजय सिंह ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी करने की अनिवार्यता अन्यायपूर्ण है। जब यूपी में 27 जुलाई 2011 को टीईटी लागू किया गया है तो उसके पूर्व में नियुक्त शिक्षकों पर इसकी अनिवार्यता लागू करने से शिक्षकों में काफी आक्रोश है। प्रदेश से 01 लाख से अधिक शिक्षक रामलीला मैदान दिल्ली में पहुंच रहे हैंइस क्रम में गोरखपुर, कुशीनगर, उन्नाव समेत कई जिलों के शिक्षक आज बृहस्पतिवार को ही दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं। वहीं टीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने निर्णय को पूर्व के प्रभाव से लागू करना, सही नहीं है। इससे देश भर के लाखों शिक्षकों की जीविका पर संकट खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार इससे राहत देने के लिए कानून बनाए। इसी मांग को लेकर 04 अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में लाखों शिक्षक जुट रहे हैं। उन्होंने बताया कि रैली में एक दर्जन प्रदेशों के लाखों शिक्षक एकत्र होंगे।

पीलीभीत में सौतेले पिता ने 16 साल की बेटी से कई बार किया दुष्कर्म, गर्भवती होने पर खुला राज

पीलीभीत के बरखेड़ा थाना क्षेत्र में सौतेले पिता ने 16 वर्षीय बेटी से कई बार दुष्कर्म किया। जब किशोरी गर्भवती हुई तो आरोपी की काली करतूत सामने आई है। पीड़ित किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीलीभीत में चाइल्ड लाइन पर मिली शिकायत के बाद बरखेड़ा क्षेत्र के गांव पहुंची टीम के सामने चौंकाने वाला मामला सामने आया। सौतेले पिता ने अपनी 16 वर्षीय पुत्री के साथ कई बार दुष्कर्म किया। पेट में दर्द होने पर परिजनों ने जब जांच कराई तो उसके गर्भवती होने की बात सामने आई। मामले में तहरीर मिलने पर बरखेड़ा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपी की तलाश की जा रही है।घटना बरखेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव की है। बुधवार को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत प्राप्त हुई। एक गांव निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि सौतेला पिता उसकी नाबालिग बहन का यौन उत्पीड़न कर रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए टीम बालिका के घर पहुंची। यहां पूरे मामले की जानकारी करने के बाद बालिका की माता के माध्यम से सौतले पिता के खिलाफ थाना बरखेड़ा में मामले की तहरीर दिलवाई गई। इस मामले में बुधवार शाम बरखेड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई।पीड़िता बोली- जबरन संबंध बनाता था सौतेला पिता -महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका पति उसकी 16 वर्षीय पुत्री का यौन शोषण कर रहा है। मंगलवार को पेट पर दर्द होने पर जब उसने पुत्री की जांच कराई तो पता चला कि वह गर्भवती है। इसके बाद पूछने पर पुत्री ने बताया कि सौतेला पिता लंबे समय से उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बना रहा था। किसी से शिकायत करने पर धमकी देता था।

सिलिंडर, शादी और दर्दनाक मौत: जिसका सजना था सेहरा, उसकी सजी अर्थी; तेज रफ्तार थार ने बाइक सवार रोबिन को कुचला

इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। जिस घर में शहनाइयां बजने वाली थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव के लोगों की आंखें नम हैं।उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। 27 अप्रैल को होने वाली शादी से पहले ही एक युवक की दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई।रोबिन की मौके पर ही मौत- जानकारी के मुताबिक, जीमत गांव के पास तेज रफ्तार थार ने बाइक सवार दो भाइयों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि 27 वर्षीय रोबिन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई सौरभ मामूली रूप से घायल हो गया। घायल सौरभ को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।सिलिंडर लेने निकले थे दोनों भाई- बताया जा रहा है कि दोनों भाई घर से गैस सिलिंडर लेने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में ही यह खौफनाक हादसा हो गया। रोबिन की शादी 27 अप्रैल को तय थी और घर में शादी की तैयारियां जोरों पर चल रही थीं। घर में बजनी थीं शहनाइयां, अब मातम पसरा- इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। जिस घर में शहनाइयां बजने वाली थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव के लोगों की आंखें नम हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है।

गढ़वतियां देवी धाम में हनुमान जयंती पर उमड़ा आस्था का महासागर, श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर/ जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत महूली स्थित सुप्रसिद्ध गढ़वतियां देवी धाम में इस वर्ष हनुमान जयंती के अवसर पर आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस धार्मिक आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। तड़के भोर से ही मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया और देर शाम तक दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लगी रहीं। छत्तीसगढ़ सहित मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान के दर्शन कर सुख, समृद्धि एवं संकटों से मुक्ति की कामना की। पूरा धाम जय श्री राम और बजरंगबली की जय के जयघोष से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो गया। धार्मिक अनुष्ठानों से गूंजा धाम- हनुमान जयंती के पावन अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा पाठ, सुंदरकांड एवं अखंड भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। दिनभर चले इन धार्मिक कार्यक्रमों में श्रद्धालु भाव-विभोर होकर शामिल हुए। साथ ही आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रशासनिक व्यवस्था रही चुस्त-दुरुस्त- श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन एवं समिति द्वारा सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इन व्यवस्थाओं के चलते पूरे आयोजन में कहीं भी अव्यवस्था देखने को नहीं मिली और श्रद्धालुओं को सहज व सुरक्षित दर्शन का लाभ मिला। सामाजिक समरसता का बना उदाहरण- स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं ग्रामीणों ने आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि गढ़वतियां देवी धाम वर्षों से अटूट आस्था का केंद्र रहा है, जहां हर वर्ष हनुमान जयंती पर इसी प्रकार श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक समृद्धि और भाईचारे का भी सशक्त संदेश देता नजर आया। गढ़वतियां देवी धाम में आयोजित यह भव्य धार्मिक उत्सव क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और एकजुटता का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा, जिसने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि श्रद्धा की शक्ति हर सीमा को पार कर देती है।

साइबर टीम ने 7.80 करोड़ की ठगी का किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार; कई राज्यों में दर्ज हैं केस

गोंडा में साइबर टीम ने 7.80 करोड़ की ठगी का खुलासा किया है। मामले में दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। इनके खिलाफ कई राज्यों में 25 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं।यूपी के गोंडा में साइबर सेल ने नौकरी दिलाने के नाम पर 7.80 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने बुधवार को कोतवाली नगर के सोनी कपूर, देवरिया चूड़ामणि निवासी सुधीर कुमार गुप्ता व माधवपुरम कॉलोनी निवासी बृजेश मिश्र को गिरफ्तार किया है। इसमें से एक करोड़ 11 लाख की धनराशि को पुलिस ने बैंक खातों में होल्ड करा दिया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों के पास से पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि समन्वय (प्रतिबिंब) पोर्टल पर संदिग्ध मोबाइल नंबरों की जांच के दौरान फरवरी 2026 में छत्तीसगढ़ निवासी एक पीड़ित की शिकायत से इस गिरोह का सुराग मिला। जांच में कई मोबाइल नंबर सामने आए। इनकी लोकेशन गोंडा में मिली। जबकि, सिम अन्य राज्यों के लोगों के नाम से जारी थे। इसके बाद एएसपी (पूर्वी) मनोज कुमार रावत और सीओ आनंद कुमार राय के पर्यवेक्षण में साइबर सेल प्रभारी संजय कुमार गुप्ता की टीम को लगाया गया।नौकरी दिलाने के फर्जी पोस्टर चिपकाते थे पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के बदमाश उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, कर्नाटक और तेलंगाना समेत कई राज्यों में बस स्टैंड व रेलवे स्टेशनों के आसपास स्वास्थ्य विभाग में नौकरी दिलाने के फर्जी पोस्टर चिपकाते थे। नौकरी की तलाश कर रहे लोग इन विज्ञापनों में दिए गए मोबाइल नंबरों पर संपर्क करते थे। इसके बाद गिरोह के लोग रजिस्ट्रेशन, इंटरव्यू, ट्रेनिंग और जॉइनिंग के नाम पर उनसे रकम वसूलते थे। पीड़ितों को भरोसा दिलाने के लिए फर्जी ट्रेनिंग लेटर भी भेजे जाते थे। ठगी की रकम म्यूल अकाउंट (किराये के बैंक खाते) में ट्रांसफर कराई जाती थी। इसमें से 20 प्रतिशत कमीशन खाता धारकों को देकर बाकी रकम निकाल ली जाती थी। 25 से अधिक ऑनलाइन शिकायतें दर्ज हैं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने सोनी गुमटी से बूढ़ादेवर मार्ग पर रेल पटरी के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि गिरोह करीब डेढ़ साल से सक्रिय था। आरोपियों के खिलाफ देश के कई राज्यों में 25 से अधिक ऑनलाइन शिकायतें दर्ज हैं। ठगी के लिए 51 बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। कुल सात करोड़ 80 लाख रुपये की ठगी रिपोर्ट हुई। इसमें से 1.11 करोड़ रुपये खातों में होल्ड कराए जा चुके हैं। एसपी ने बताया कि खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया है। साइबर ठगी से बचाव के लिए सलाह- एसपी ने लोगों से अपील की है कि नौकरी या किसी भी लालच में अंजान नंबरों पर भरोसा न करें।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com

असम में कांग्रेस की रैली, राहुल ने संविधान का जिक्र कर लिए अदाणी-पतंजलि के नाम; सरकार को घेरा

असम दौरे पर राहुल गांधी ने भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि असम के फैसले दिल्ली से लिए जा रहे हैं। अमेरिका के साथ हुए समझौतों से भारत की आर्थिक व रणनीतिक स्वतंत्रता प्रभावित हुई है किसानों विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी उन्होंने कार्बी आंगलोंग में एक चुनावी रैली फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस की सोच है, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। को दिल्ली से चलाया जाए। राहुल के अनुसार, हमने अनुच्छेद 244ए इसलिए लागू किया पर होने चाहिए। ये फैसले गुवाहाटी या दिल्ली यही हमारे और उनके बीच का फर्क है। आपको शुरू होता है, लेकिन ऐसा नहीं है।उन्होंने आरोप अंबानी और पतंजलि बीघा जमीन दे दी गई। मिली है। आपको यह समझना होगा कि आखिर भारत और अमेरिका के बीच एक समझौते पर इसकी बात क्यों कर रहा हूं। आपको यह समझौते में भारत की खेती-किसानी के रास्ते किसानों पर पड़ रहा है। उन्होंने सरकार पर

और छोटे कारोबारों को नुकसान हो रहा है।लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए असम पहुंचे है। इस दौरान को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा, असम अलग धर्म, जाति और विचारधाराओं के लोग हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, दूसरी तरफ भाजपा की विचारधारा है कि असम यही लड़ाई चल रही हैराहुल गांधी ने कहा कि क्योंकि हमारा मानना है कि फैसले स्थानीय स्तर से नहीं, बल्कि यहीं आपके नेता और परिषदें लें। लगता है कि फैसलों का सिलसिला गुवाहाटी से लगाया कि आपकी जमीन छीनकर अडानी को हजारों बीघा जमीन दूसरी बड़ी कंपनियों को भी ऐसा क्यों हो रहा है। कुछ दिन पहले नरेंद्र मोदी ने दस्तखत किए। आप सोच रहे होंगे कि मैं यहां समझना होगा कि दबाव कहां से आ रहा है। उस इस तरह खोले गए हैं, जिसका बुरा असर हमारे निशाना साधते हुए कहा, आज अगर भारत रूस, ईरान या इराक जैसे देशों से तेल खरीदना चाहता है, तो उसे डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका से इजाजत लेनी पड़ती है। हम बिना पूछे तेल नहीं खरीद सकते। नरेंद्र मोदी ने भारत का डेटा डोनाल्ड ट्रंप को सौंप दिया है। अब वे अपनी मर्जी से इस डेटा का इस्तेमाल कर सकते हैं या इसे जमा रख सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी ने वादा किया है कि भारत हर साल अमेरिकी कंपनियों से 9 लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदेगा। इससे हमारे छोटे कारोबारों और उद्योगों को भारी नुकसान होगा। भारत ने अमेरिका को बहुत कुछ दिया है, लेकिन बदले में हमें कुछ नहीं मिला। हमारे टैक्स बढ़ गए हैं, हमारा डेटा साझा हो गया है और तेल खरीदने के विकल्प कम हो गए हैं। सवाल यह है कि यह सौदा क्यों हुआ? राहुल गांधी के अनुसार, यह इसलिए हुआ क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को नियंत्रित करते हैं।

शाह की मौजूदगी में शुभेंदु का नामांकन: CM ममता पर बरसे गृह मंत्री; भवानीपुर में TMC-BJP कार्यकर्ताओं की भिड़ंत

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सियासी दलों के बीच चुनावी समीकरणों को साधने की कोशिशें चल रही हैं। टिकट बंटवारे में तृणमूल कांग्रेस, भाजपा और कांग्रेस ने ब्राह्मण, राजपूत, कायस्थ और अल्पसंख्यक समुदायों को साधने के लिए अल्पसंख्यक और महिला कार्ड खेला है। है।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को जारी हैं। इस बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता भवानीपुर विधानसभा सीट से पार्टी के दाखिल किया।अमित शाह ने भवानीपुर रोड शो में भी हिस्सा लिया। पश्चिम बंगाल मिलकर अमित शाह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी किया।ममता सरकार के तुष्टीकरण का होगा पर अपने रोड शो का वीडियो साझा करते में परिवर्तन का प्रतीक है। तृणमूल कांग्रेस में ममता सरकार के तुष्टीकरण का अंत होने शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए लिए तैयार है। शुभेंदु दा नंदीग्राम से लड़ना नहीं, बल्कि ममता बनर्जी के घर में जाकर

चौंकाने वाली रणनीति अपनाई है। टीएमसी ने जहां वहीं, भाजपा ने उच्च जातियों पर भरोसा जताया लेकर तमाम सियासी दलों की तैयारियां जोर-शोर से और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को नामांकन विधानसभा क्षेत्र में शुभेंदु अधिकारी के साथ उनके विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी के साथ के राजनीतिक गढ़ में अपनी शक्ति का प्रदर्शन अंत = अमित शाह भाजपा नेता अमित शाह ने एक्स हुए कहा कि भवानीपुर में उमड़ा यह जनसैलाब बंगाल सरकार की विदाई निश्चित है। उन्होंने कहा कि बंगाल वाला है और कमल खिलने वाला है। वहीं, अमित कहा, पूरा बंगाल ममता बनर्जी की विदाई करने के चाहते हैं। मैंने उनसे कहा था कि केवल नंदीग्राम ही उन्हें हराना है। ममता बनर्जी बंगाल में सरकार तो बना पाई थीं, लेकिन नंदीग्राम में शुभेंदु दा के सामने चुनाव हार गई थी। इस बार ममता बनर्जी पूरे बंगाल में भी हारेंगी और भवानीपुर में भी हारेंगी। घुसपैठियों का जिक्र कर ममता बनर्जी पर शाह का निशाना- केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, %%हर जगह पर एक ही आवाज है, इस सरकार को बदल दो। ममता बनर्जी को बाय-बाय, टाटा कर दो। आज बंगाल की पूरी जनता, जो तोलाबाजी से त्रस्त है, तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गुंडई से त्रस्त है, महिलाओं की असुरक्षा के त्रस्त है, बिना रोकटोक घुसपैठ करके बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रही है, इससे त्रस्त है। आए दिन बम धमाके, गोलीबारी से त्रस्त है, युवा बेरोजगारी से त्रस्त है और भ्रष्टाचार का इतना रिकॉर्ड ममता बनर्जी ने जो बनाया है, इससे भी त्रस्त है। उन्होंने कहा, पूरे बंगाल की जनता मांग कर रही है कि महान पश्चिम बंगाल के अंदर अब परिवर्तन होना चाहिए। पीएम मोदी के नेतृत्व में यहां भाजपा की सरकार बननी चाहिए। पश्चिम बंगाल की सीमा को सील करके पश्चिम बंगाल और देश भर से घुसपैठियों को चुन-चुन कर देश से बाहर निकालना चाहिए।%% टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ताओं में भिड़ंत- भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से शुभेंदु अधिकारी के नामांकन दाखिल करने के दौरान भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई हो गई। बता दें कि अमित शाह और शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार दोपहर को हाजरा क्रॉसिंग से रोड शो शुरू किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य भी उनके साथ रहे। यह रोड शो भवानीपुर के विभिन्न हिस्सों से गुजरते हुए सर्वे बिल्डिंग पर समाप्त हुआ। इसके बाद अमित शाह के साथ शुभेंदु अधिकारी ने कार्यालय में जाकर अपना नामांकन दाखिल किया। पीएम मोदी भी कर सकते हैं भवानीपुर में चुनाव प्रचार- भाजपा नेताओं ने कहा कि नामांकन दाखिल करने में शाह की भागीदारी का उद्देश्य भवानीपुर चुनाव को पार्टी द्वारा दिए जा रहे महत्व को रेखांकित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी भवानीपुर में चुनाव प्रचार करने की संभावना है। गौरतलब है कि अमित शाह बुधवार की देर रात कोलकाता पहुंचे थे।

एसबीआई पठारी ने बीमा दावों का किया भुगतान, 2-2 लाख रुपये से परिवारों को मिला सहारा

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ पठारी - ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में भारतीय स्टेट बैंक (SBI) शाखा पठारी द्वारा सराहनीय कार्य करते हुए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJY) के अंतर्गत मृतक हितग्राहियों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की बीमा राशि का भुगतान किया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) के अंतर्गत निम्नलिखित मृतक व्यक्तियों के परिजनों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई- 1.प्रवीण प्रताप सोलंकी, निवासी ग्राम पठारी 2.दामोदर साहू, निवासी ग्राम पदमयाई 3.रामबाबू अहिरवार, निवासी ग्राम मथुरापुर 4.विक्रम सिंह दांगी, निवासी ग्राम भाल बामोरा इसी प्रकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJY) के अंतर्गत- विक्रम सिंह दांगी, निवासी ग्राम भाल बामोरा के परिजनों को 2 लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई। बैंक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार PMSBY का वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपये एवं PMJJY का प्रीमियम 436 रुपये है, जिससे आम नागरिक भी आसानी से इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। शाखा प्रबंधक अविनाश परिहार ने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को कठिन समय में आर्थिक सहारा देना है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इन योजनाओं से जुड़ने की अपील की। क्षेत्रवासियों ने बैंक की इस पहल की सराहना की, वहीं परिवार जनों ने भी बैंक का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया और कहा कि यह सहायता उनके लिए कठिन समय में बड़ा सहारा बनी है। एसबीआई पठारी की इस पहल से जहां प्रभावित परिवारों को राहत मिली है, वहीं यह अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा है कि वे कम प्रीमियम में अधिक सुरक्षा देने वाली बीमा योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएं।

दुष्कर्म के आरोपी को 6 घंटे में दबोचा: कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्रवाई, न्यायालय ने भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/शिवपुरी 7 जिले की कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को महज 6 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस की इस तेज कार्रवाई की सराहना की जा रही है। जानकारी के अनुसार, 01 अप्रैल 2026 को फरियादिया द्वारा थाना कोतवाली में आरोपी पंकज राठौर के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अपराध क्रमांक 227/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं एवं एससी/एसटी एक्ट के प्रावधानों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे के नेतृत्व में टीम गठित की गई। 6 घंटे में गिरफ्तारी, सीधे जेल- पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी पंकज राठौर (उम्र 40 वर्ष, निवासी संजय कॉलोनी, थाना फिजिकल) को 02 अप्रैल 2026 को शिवपुरी से ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका इस कार्रवाई में निरीक्षक रोहित दुबे सहित उपनिरीक्षक सुमित शर्मा, अमित चतुर्वेदी, पूजा घुरैया एवं अन्य पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार पर जानलेवा हमले के बाद उल्टा FIR, डीजीपी के लिए भेजा गया पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ भोपाल। विदिशा जिले के लटेरी तहसील अंतर्गत आनंदपुर में रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकार मनीष शर्मा पर हुए जानलेवा हमले का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस प्रकरण में पुलिस द्वारा पीड़ित पत्रकार पर ही स्न्ड्ढक्र दर्ज किए जाने से पत्रकार जगत में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, समाचार संकलन के दौरान सरपंच पुत्र एवं शासकीय शिक्षक राधा बल्लभ शर्मा द्वारा पत्रकार मनीष शर्मा पर प्राणघातक हमला किया गया। घटना के दौरान मौजूद वीडियो साक्ष्यों के बावजूद पुलिस ने उन्हें अनदेखा करते हुए उल्टा पत्रकार पर ही मामला दर्ज कर दिया। इस पूरे मामले को लेकर इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (ढ्ढस्न्ङ्ख्न्छ) के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम के नेतृत्व में पुलिस महानिदेशक, भोपाल को एक औपचारिक आवेदन पत्र सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम ने पत्र में घटना की कड़ी निंदा करते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। आवेदन पत्र में प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं- पत्रकार मनीष शर्मा पर दर्ज स्न्ड्ढक्र को तत्काल निरस्त किया जाए। आरोपी शिक्षक राधा बल्लभ शर्मा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को दंडित किया जाए।पीड़ित पत्रकार एवं उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र गौतम ने चेतावनी दी है कि यदि महासंघ की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन एवं सरकार की होगी। पत्रकार संगठनों ने इस घटना को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताते हुए कड़ी निंदा की है और निष्पक्ष न्याय की मांग की है।

हनीट्रैप पर रोक न लगाई गई तो सभ्य समाज में रहना मुश्किल हो जाएगा, हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि हनीट्रैप पर रोक न लगाई गई तो सभ्य समाज में रहना मुश्किल हो जाएगा। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने मेरठ जोन में संचालित कथित हनीट्रैप और ब्लैकमेल गिरोह की पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को जांच करने का निर्देश दिया।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि हनीट्रैप पर रोक न लगाई गई तो सभ्य समाज में रहना मुश्किल हो जाएगा। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने मेरठ जोन में संचालित कथित हनीट्रैप और ब्लैकमेल गिरोह की पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को जांच करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुन सक्सेना की खंडपीठ ने फोजिया और अन्य की याचिका दिया है।बिजनौर निवासी याचियों ने थाना किरातपुर में हनीट्रैप और ब्लैकमेल करने के आरोप में दर्ज एफआईआर को रद्द करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। मुख्य महिला याची पर आरोप था कि उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति को व्हाट्सएप के जरिए अपने जाल में फंसाया और उसे बिजनौर के एक होटल में मिलने के लिए बुलाया। वहां संबंध बनाने के दौरान गुपचुप तरीके से वीडियो क्लिप बना ली गई। इसके बाद उस वीडियो से उस व्यक्ति को ब्लैकमेल किया जाने लगा। इसमें दो पुलिसकर्मी और वार्ड सदस्य के शामिल होने का आरोप सामने आया।वीडियो बनाने के बाद पीड़ित को डराया-धमकाया गया और उससे पहले 10 लाख रुपये की मांग की गई, जिसे बाद में समझौते के नाम पर 8 लाख रुपये कर दिया गया। भय और शर्म के साए में जी रहे पीड़ित ने अंततः हिम्मत जुटाकर पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। सुनवाई के दौरान जब याचिकाकर्ताओं के वकील ने याचिका वापस लेने की प्रार्थना की, तो अदालत ने उसे स्वीकार तो कर लिया, लेकिन अपनी ओर से सख्त निर्देश जारी किया। प्रदेश भर में हनीट्रैप के गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश- कोर्ट ने आईजी मेरठ को निर्देशित किया है कि वे अपने क्षेत्र के सभी जिला पुलिस प्रमुखों को सतर्क करें ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस तरह का कोई संगठित गिरोह सक्रिय है जो महिलाओं का उपयोग कर निर्दोष लोगों को अपना शिकार बना रहा है। इस आदेश की प्रति पुलिस महानिदेशक (यूपी), अपर मुख्य सचिव (गृह) और अन्य संबंधित अधिकारियों को तत्काल भेजने के निर्देश दिए गए हैं ताकि पूरे प्रदेश में ऐसे गिरोहों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

What benefits do airlines offer you when your flight is cancelled? Know your rights.

If you are traveling somewhere and your flight is cancelled at the last minute, you should know your rights in such a situation. According to DGCA regulations, airlines have certain responsibilities in such situations, which you should also be aware of. A last-minute flight cancellation during air travel can be a nightmare for any traveler. But did you know that the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has established strict rules to protect passenger rights in such cases? According to the regulations, if an airline cancels a flight without prior notice, it is obligated to provide passengers with an alternative flight, free meals, and, in certain circumstances, substantial compensation. Often, due to lack of information, passengers face difficulties at the airport. So let's explore in detail your options and the benefits you can request in such a situation. Primary options available in case of flight cancellation: When a flight is cancelled due to an airline's fault, the airline must offer you a seat on the next available flight without any additional charges. If you don't want to take an alternative flight, you can request a full refund. If you are waiting for the next flight at the airport, the airline must provide free food and drinks. Under what circumstances is compensation available? Passengers are also entitled to cash compensation for delayed notification. If the airline provided less than 24 hours' notice, the passenger has the right to seek compensation. Depending on the flight's distance and the delay, compensation can range from ?5,000 to ?10,000. If the cancellation of the first flight causes you to miss your next connecting flight, the airline must also compensate you for that. When is hotel accommodation available? If the alternate flight is the next day, the airline provides these facilities. In case of an overnight wait, the airline arranges hotel accommodations for passengers. Free bus or taxi service is provided from the airport to the hotel and back. Priority is given to elderly people, pregnant women, and families with small children. When can airlines refuse these facilities? Airlines can refrain from providing compensation in situations such as extreme weather or an act of God. However, in cases of general technical problems or staff shortages, airlines are required to provide compensation or necessary facilities. If the airline refuses to assist, you can file a complaint on the Air Seva portal. Knowing your rights can not only save you mental stress but also ensure compensation for financial losses.

Find out here how many days a cough lasts before you should see a doctor.

If you have a cough even during the changing weather, this article is useful. Here we will tell you when you should see a doctor if you have one. Coughs have become a common problem during changing weather. The body's immune system weakens between cold and hot winds, leading to problems like coughs, colds, and sore throats. Although people often consider it normal and rely on home remedies, ignoring a persistent or severe cough is not without risk. We are telling you this because a cough isn't just a throat problem; it can sometimes be a sign of serious lung and respiratory problems. Therefore, it is important to consult a doctor promptly so that you can get the right treatment before the problem worsens. Taking care of your health during changing weather and not ignoring even a minor problem like a cough is the surest way to avoid major health problems in the long run. When should you see a doctor if the cough is severe? First, understand that a cough is often a minor problem, but sometimes it can be a sign of a serious illness. You should immediately consult a doctor in the following situations: If a cough persists for a long time and doesn't subside, it could be a sign of a lung or respiratory tract infection. If the cough is accompanied by other symptoms, such as fever, difficulty breathing, or blood in the phlegm, consult a doctor immediately. A sudden increase in cough at night is a sign of a serious condition. Especially if the cough persists for 3 weeks (21 days), consult a doctor immediately and do not ignore it. 2. How to care at home? Some home remedies can help reduce cough and provide relief: Gargle with warm water as it soothes sore throat and irritation. Start inhaling steam as it opens the airways and loosens mucus. Drink plenty of water as dehydration thins mucus and reduces cough. Some things to keep in mind: Avoid dust, smoke, and cold air as these can aggravate cough and damage the lungs. Take your medication at the right time. Just remember to only take it as directed by your doctor. Taking medication without prescription can worsen the problem. Note: This article was compiled based on information gathered from medical reports.

Make homemade sambar masala like the one sold in the market, with a taste that will leave you licking your fingers.

To make sambar masala at home, coriander, dried red chilies, chana dal, urad dal, fenugreek seeds, and curry leaves are roasted and ground. This masala gives sambar its authentic South Indian flavor. South Indian food is delicious, healthy, and easy to prepare if you know a few tricks. Sambar is served with dosa, idli, or vada. Knowing how to make sambar correctly will enhance the taste of your meal. However, besides vegetables and lentils, the most important ingredient for making sambar is the sambar masala. The true flavor of sambar lies in its spices. Market-sold masalas are often lacking in flavor and full of preservatives, but making it at home yields both the taste and aroma. Homemade sambar is not only healthy but also makes every meal special. Let's learn its easy recipe. Homemade sambar masala enhances the taste of your food exponentially. Once you try it, you'll forget about buying store-bought masala. Ingredients for Sambar Masala: 1 cup coriander seeds 8-10 dried red chilies 2 teaspoons chana dal 1 teaspoon fenugreek seeds 1 teaspoon cumin seeds 1/2 teaspoon black pepper leaves 1/2 teaspoon turmeric 8-10 curry powder How to Make Sambar Masala: Step 1 - Roast the Spices: In a pan, without oil, fry the coriander, lentils, fenugreek, and cumin seeds until lightly golden. Step 2. Add the chilies and curry leaves and fry until fragrant. Step 3. Cool: Turn off the heat and let the mixture cool completely. Step 4. Grind: Put the mixture in a mixer to a fine powder, and finally add turmeric. Tips: Store the spices in an airtight container. Homemade masala stays fresh for 2-3 months. If you want more spice, you can increase the amount of chili.

Director Nitesh Tiwari reveals why Ranbir Kapoor was a perfect fit for the role of Ram in 'Ramayana'

Ranbir Kapoor is currently in the news for the film 'Ramayana'. Recently, director Nitesh Tiwari revealed why he chose Ranbir Kapoor for the role of Ram. A video of Nitesh Tiwari is going viral on social media, in which he is seen discussing interesting things about his film 'Ramayana'. In particular, he explained why he trusted Ranbir Kapoor to play the role of Lord Ram. Nitesh Tiwari clearly stated that the role of Lord Ram is very deep and difficult. He said, "Ram was a man who spoke very little, his love was very deep. His pain was not visible, but felt. Furthermore, this role required physical strength and balance. Keeping all these factors in mind, he felt that only Ranbir Kapoor could play this role effectively and live up to the expectations of millions of people." There's no need to modernize Ramayana - When asked about giving the film a modern touch, Nitesh Tiwari clearly stated that he hasn't made any special effort. According to him, the true strength of Ramayana lies in its values, which have always remained the same and are relevant for all times. He stated that there's no need to change or modernize these values. A need to remind the world again - Nitesh Tiwari believes that today's world has somehow forgotten these values. Therefore, the purpose of his film is not just to tell the story, but also to remind people of these values. He expressed hope that this film will inspire people and perhaps even help make the world a little better. About the film "Ramayana" - In addition to Ranbir Kapoor, Sai Pallavi will be seen in the role of Sita, Sunny Deol as Hanuman, and Ravi Dubey as Laxman. The film also features a cast. "Ramayana" will be released in two parts. The first part will release this year on Diwali, while the second part will hit theaters next year on Diwali 2027.

Rapper Divine and Riyar Sahab's new song released; Mouni Roy steals the show with her electrifying dance moves

Rapper Divine is currently in the news for his new song. Titled "Saucy," Mouni Roy features in the song. Hip-hop singer Riyar Sahab also adds to the song's charismatic vocals. Rapper Divine's new music video, "Saucy," has been released, featuring singers Riyar Sahab and Mouni Roy. This track is part of Divine's recent album, "Walking on Water," which traces the rapper's journey from the Mumbai music scene to a global audience. Mouni Roy steals the show with her powerful dance moves. The song was filmed in Singapore. Indian songwriter and rapper Divine's new album, "Walking on Water," is gaining widespread acclaim. Its new music video is even more impressive. According to news agency ANI, the song was shot in Singapore. Its visuals are of popular locations, including scenes of Helix Bridge, Haji Lane, and the Swissôtel Stamford helipad, which are attracting a lot of attention. Mouni Roy plays the lead role in the music video. Why was it shot in Singapore? The song was produced by Karan Kanchan. With rapper Divine's distinctive rap style and Riyar Sahab's melodious voice, the song "Saucy" creates a hip-hop track that is quite unique. Talking about the track and its atmosphere, Divine said that the song was created to be feel-good and easy to listen to. He said, "When we were deciding where to shoot this track, Singapore seemed the perfect place. I recently went there for F1, and the speed of the place stayed with me." Mouni Roy also shared her experience - Mouni Roy shared her wish list for a long time, and now it's won my experience of shooting in Singapore, heart. Experiencing this incredibly beautiful country for the first time while shooting for 'Saucy' was a completely different experience. The food, fashion, and energy all blend so seamlessly." Singer Riyar Sahab wanted to bring a smooth Punjabi touch. Speaking about the collaboration, singer Riyar Sahab said, "Bhai and I have a natural chemistry when it comes to creating music. 'Saucy' was one of those tracks that had the right energy from day one. Singapore was amazing; the entire shoot had a unique feel. I just wanted to bring that smooth Punjabi touch to this track, so people could groove to it."

Rajkummar Rao begins shooting for Ganguly biopic, titled 'Dada - The Sourav Ganguly Story'

Actor Rajkummar Rao has begun shooting for his next film. He shared the news on Instagram. Find out which film the actor will be starring in. Rajkummar Rao recently announced his film, 'Toaster,' which will be released on Netflix on April 15th. Now, he has begun shooting for his new film, sharing this information on his Instagram handle. The film will be based on this cricket legend. The actor has already begun shooting for 'Dada - The Sourav Ganguly Story,' which will be based on former cricketer Sourav Ganguly. He shared the post with the caption, "And now it's begun." The film is being produced under the banner of Luv Films. Bollywood celebrities congratulated him - Following the post, Bollywood celebrities also wished the actor well for his project. Farah Khan, Neha Dhupia, and Sachet Tandon commented "All the best" on the post. Ritwik Sahore, Aparshakti Khurana, and Isha Aggarwal also commented on the actor's post and congratulated him. About the film: The film is being directed by Vikramaditya Motwane. The film will be based on the life and cricketing career of former cricketer Sourav Ganguly, known as "Dada." The film has been in the works for quite some time, and Rajkummar Rao has even lost weight for it. However, no updates have yet been released regarding the film's other cast or its release date. "Toaster" will release on April 15th: Rajkummar Rao will be seen in the film "Toaster," which will be released on Netflix. The rest of the cast includes Sanya Malhotra, Farah Khan, Abhishek Banerjee, Archana Puran Singh, Seema Pahwa, and Jitendra Joshi. The film is directed by Vivek Das Choudhary. The audience is eagerly waiting for the film.